सूर्या फाउण्डेशन
आदर्श गाँव योजना

मासिक ई-पत्रिका - अंक 7
जुलाई 2020

मेरा गाँव मेरा बड़ा परिवार

जहाँ पेड़-पौधों पर मनुष्य, पशु-पक्षी एवं पर्यावरण पूरी तरह निर्भर है। वहीं पेड़ न सिर्फ हमारे शरीर के लिए जरूरी हैं, बल्कि यह हमें आर्थिक रुप से भी मजबूत बनाने का काम करते हैं। अगर समय रहते पेड़-पौधों को बचाने की दिशा में सही कदम नहीं उठाए गए तो एक समय ऐसा आएगा जब पृथ्वी पर जीव सृष्टि के लिए भयानक संकट पैदा हो जाएगा। इसलिए हम सबको घरों के आस-पास पेड़ लगाना चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह का संकट पैदा न हो सके।

Click
Adarsh Gaon Yojna
Surya Foundation

वृक्षारोपण महाअभियान

पेड़ लगाना काम महान, एक पेड़ 10 पुत्र समान

भरतराज
अभियान प्रमुख

आत्मनिर्भर भारत थीम के अन्तर्गत इस वर्ष सूर्या फाउण्डेशन देश के **18 राज्यों के 600 गाँवों में 600 वृक्ष मित्रों की सहायता से 60000 परिवारों को जोड़ते हुए 300000 फलदार तथा 250000 औषधीय व छायादार पौधे** लगाने का अभियान चला रहा है। इस वर्ष, अभी तक 570 गाँवों में फलदार 150000, छायादार 80000 और औषधीय 40000 पौधे लगाये जा चुके हैं।

पौधों के संरक्षण के लिए चयनित आदर्श गाँवों में 5-5 ट्री गार्ड दिए हैं। अन्य गाँवों में समाज के प्रतिष्ठित लोगों, सरपंच, सेवाभावियों के माध्यम से ट्री-गार्ड, बांस की बाड़ एवं कटीले तार लगाकर पौधों को सुरक्षित किया जा रहा है।

इस बार वृक्षारोपण महाअभियान में परिवार के हर व्यक्ति को एक पौधा लगाकर उसे बड़ा करने की जिम्मेदारी दी जा रही है। इसके अलावा सूर्या फाउण्डेशन के कार्यकर्ता जहाँ फलदार पौधों से होने वाले आर्थिक लाभ के बारे में लोगों को जागरूक कर रहे है, वहीं औषधीय पौधों से होने वाले लाभ की जानकारी देकर लोगो को पौधों को सुरक्षित करने का संकल्प दिला रहे है। हमारा संकल्प है कि रोपित 100 प्रतिशत पौधे सुरक्षित रहें।

वृक्षारोपण का वीडियो देखने के लिए यहाँ क्लिक करें

काशीपुर (उत्तराखण्ड)

झिंझौली (हरियाणा)

हमीरपुर (कानपरु-उ.प्र.)

चोपड़ा (दार्जिलिंग)

जल संरक्षण अभियान

जल है तो कल है, जल ही जीवन है।

भीखपुरी गोस्वामी
अभियान प्रमुख

भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र भाई मोदी जी के आह्वान पर आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करना है तो इसकी प्रमुख कड़ी है जल। पृथ्वी पर दो तिहाई जल है परंतु पीने योग्य केवल 1% जल आज के समय शुद्ध जल के रूप में मिल पा रहा है। यदि भविष्य में जल की त्रासदी से मुक्त होना है तो हमें मिलकर जल संरक्षण की दिशा में आगे बढ़ना होगा।

सूर्या फाउण्डेशन इस वर्ष जल की महत्ता को देखते हुए सरकारी एवं सामाजिक संस्थाओं के साथ मिलकर जल संरक्षण की दिशा में कार्य कर रहा है। जल संरक्षण के विषय को जन-जन तक पहुँचाने के लिए आदरणीय मुकेश त्रिपाठी जी *(वाइस चेयरमैन-सूर्या फाउण्डेशन)* ने वीडियो के माध्यम संदेश दिया है। इससे सभी क्षेत्रों में जागरुकता बढ़ी

क्रम	कार्य	संख्या
1	तालाब गहरीकरण	132
2	वाटर हर्वेस्टिंग	137
3	खेतों की मेड़बंदी	676
4	एनिकट बाँध	36
5	सोख्ता गड्ढे का निर्माण	141
6	वर्षा जल का संग्रहण	285

जल संरक्षण का वीडियो देखने के लिए यहाँ क्लिक करें

वर्षा जल संग्रहण हेतु उपाय

तालाब गहरीकरण

एनिकट बाँध

सोख्ता गड्ढे का निर्माण

महिला सशक्तीकरण : स्वयं सहायता समूह

गाँव में स्वावलंबन और महिला सशक्तीकरण हेतु स्वयं सहायता समूह का गठन किया गया है। इसमें अलग-अलग प्रकार की ट्रेनिंग कराई जाती है। जिससे गाँव में स्वरोजगार बढ़े और महिलाएँ स्वावलंबी बनें।

स्वयं सहायता समूह संगठन : मूण्डला, सीहोर (म.प्र.)

धापू बाई
ग्राम : मूंडला

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा हमारे गाँव में स्वयं सहायता समूह को लेकर महिलाओं को इकट्ठा करके इसके फायदे बताए गए। जिससे गाँव की महिलायें समूह बनाने के लिए तैयार हुई। हमने आजीविका मिशन के साथ मिलकर गाँव में शासकीय समूह का निर्माण किया। हमने केवल एक समूह बनाया। देखते ही देखते 1 माह में 8 समूह बन गए। गाँव की 100 महिलायें स्वयं सहायता समूह से जुड़ गयी हैं। महिलाओं में समरसता और आपस में सहयोग का भाव और प्रेम दिखाई देता है।

सभी समूहों का एक संगठन बनाया गया उसमें मुझे अध्यक्ष चुना गया। समूह की महिलाओं ने **कई प्रकार के प्रशिक्षण में भागीदारी की जैसे- सिलाई करना, पापड़ बनाना, अचार बनाना आदि। महिलायें आत्मनिर्भर बन रही है। समूह उसी प्रकार सुदृढ़ है जिस तरह एक संस्था होती है। सभी समूहों को मिलाकर 7 लाख रुपये की राशि एकत्रित की गई है।** सभी समूहों को सब्सिडी के रूप में अनुदान भी मिला है। आज महिलायें किसी भी काम में पीछे नहीं हैं। महिलाओं ने कई असंभव कार्य को कर दिखाया है। आने वाले समय में पापड़ का एक अच्छा व्यापार हमारे गाँव से शुरू होकर कई बड़े बाजारों तक फैलेगा और अन्य गाँव की महिलाओं के लिए एक उदाहरण पेश करेगा। ऐसी मुझे आशा ही नहीं विश्वास है।

नि:शुल्क बीज वितरण : मथुरा (उ.प्र.)

सूर्या फाउण्डेशन के प्रयास से आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (ICAR) द्वारा दीनदयाल धाम, फरह, जिला मथुरा के आसपास के 25 गाँवों में 250 किसानों को नि:शुल्क बीज वितरित किये गये। जिसमें अरहर, मूँग, भिण्डी व लौकी के बीज थे। इसका प्रमुख उद्देश्य किसानों की आय को बढ़ाना व माननीय प्रधानमंत्री जी के आत्म निर्भर भारत के सपने को साकार करना है। किसान हर दृष्टि से आत्मनिर्भर बनें व शहरों या बाजारों पर निर्भर न रहे। इस उद्देश्य को लेकर गाँव-गाँव में संस्था द्वारा दलहन की फसलों में किसानों की रुचि बढ़े ऐसा काम किया जा रहा है। अभी तक किसान अपने खेतों में केवल दो प्रकार की ही फसल उगाते थे, जिससे लाभ कम हो गया। अच्छी किस्म का बीज न होने के कारण किसान को फसल में फायदा नहीं हो रहा है।

अबकी बार संस्था द्वारा अच्छी किस्म का बीज वितरण किये जाने के कारण किसानों में विश्वास जगा है। इस कार्यक्रम से किसानों के चेहरे पर एक मुस्कान आयी है और किसानों को इसे पूर्ण जैविक करने का आग्रह किया गया। संस्था की टीम गाँव के लोगों के साथ इस काम को प्राथमिकता से करवायेगी।

किसानों को बीज वितरित करती सूर्या फाउण्डेशन टीम

गौ-आधारित कृषि और निःशुल्क बीज वितरण

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा हरियाणा, सोनीपत जिले के झिंझौली गाँव और उसके आसपास के दस गाँवों में गौ-आधारित कृषि का कार्य किया जा रहा है। सूर्या साधना स्थली, झिंझौली आश्रम में गौ-आधारित जैविक कृषि का प्रशिक्षण शिविर लगाया गया जिसमें 30 किसानों ने भाग लिया। किसानों ने जैविक खाद व कीटनाशक दवा बनाने का काम शुरू किया है जैसे- अमृतपानी, कीट नियंत्रण, केंचुआ खाद, कम्पोस्ट खाद, मटका खाद, बीजामृत आदि। इससे किसानों की खेती में लागत कम हो गई और ऊपज अच्छी होने लगी है।

किसान अब जहर मुक्त अनाज उगा रहे हैं। आज इन्ही किसानों को देखकर अन्य किसान जैविक खेती के लिए प्रेरित हो रहे हैं। किसानों को भारतीय कृषि अनुसंधान केन्द्र, दिल्ली द्वारा निःशुल्क बाजरे का बीज भी वितरण किया है। किसानों को पंचगव्य उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। किसानों ने उत्पाद बनाना शुरु कर दिया है जैसे- साबुन, मंजन, धूपबत्ती, फिनायल, शैंपू आदि। यह सभी उत्पाद (प्रोडक्ट) कम लागत में तैयार किए जाते हैं, साथ ही हमारे शरीर के लिये लाभदायक होते हैं।

कीटनाशक दवा का प्रयोग

पंचगव्य का प्रयोग

घर-घर 'पोषण वाटिका' अभियान

विकास विश्वकर्मा
प्रमुख : चयनित आदर्श गाँव

वर्तमान में कोरोना महामारी को रोकने के लिए गाँव में पर्याप्त उपाय अपनाये जा रहे हैं। सूर्या फाउण्डेशन-आदर्श गाँव योजना के तहत चयनित गाँवों में आत्मनिर्भर भारत के अन्तर्गत घर-घर पोषण वाटिका अभियान चलाया जा रहा है। वर्षा-ऋतु में हमें अपनें घरों में ही हरी सब्जियाँ तैयार करना है। इस प्रयोग से हमारा परिवार स्वस्थ होगा और हम आत्मनिर्भर बनने की ओर बढ़ सकेंगें। घर पर पोषण वाटिका बनाना बहुत आसान कार्य होता है। इसको बनाने में बच्चों की विशेष रूचि रहती है। हमारे परिवार में उपयोग होने वाली सब्जियाँ बाजार से आती हैं हमें जिसका भारी मूल्य चुकाना पड़ता है। पोषण वाटिका बनानें से हमें धन की बचत तो होगी ही साथ ही जैविक सब्जियाँ परिवार को मिलेगी।

- प्रत्येक चयनित गाँवों के 50 परिवारों में पोषण वाटिका बनाई जायेगी।
- संस्कार केन्द्र के बच्चे, यूथ क्लब के युवा, सिलाई केन्द्र और स्वयं सहायता समूह की माताओं-बहनों द्वारा पोषण वाटिका बनाने का कार्य किया जायेगा।
- सम्पर्क करके पोषण वाटिका बनाने की जानकारी दी जायेगी।
- गोबर, गौ-मूत्र से बनी जैविक खाद का ही प्रयोग करना है। रासायनिक खाद का प्रयोग नहीं करना है।

पोषण वाटिका में उगाई जाने वाली सब्जियाँ :- लौकी, तोरई, कद्दू, सेम, करेला, भिण्डी, मिर्च, परवल, बैंगन, धनियाँ, पालक और स्थानीय उपलब्ध होने वाली सब्जियाँ।

कादीपुर (बनारस) में ग्रामवासियों को बीज वितरित किए गए।

सूर्या संस्कार केन्द्र एवं सूर्या यूथ क्लब केन्द्रों पर मनाये गये कार्यक्रम

लोकमान्य तिलक एवं चंद्रशेखर आजाद जयंती

सूर्या फाउण्डेशन–आदर्श गाँव योजना के अन्तर्गत 18 राज्यों में लोकमान्य तिलक एवं चंद्रशेखर आजाद जयंती कार्यक्रम मनाया गया। आज हम सभी कोरोना महामारी की समस्या से गुजर रहे हैं और इस समय ऐसे कार्यक्रम करना एक चुनौती थी। सूर्या संस्कार के बच्चों एवं सूर्या यूथ क्लब के युवाओं के द्वारा अपने गाँव के सार्वजनिक स्थान पर सामाजिक दूरी का पालन करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाया गया। यह कार्यक्रम 244 गाँव में मनाया गया जिसमें 4148 लागों की सहभागिता रही। ऐसे कार्यक्रमों से हम सभी महापुरुषों एवं क्रांतिकारियों को याद करते हैं। और आने वाली पीढ़ियों को उनके बारे में बताते हैं। कार्यक्रम में अनेक सेवाव्रतियों से भी ऑनलाइन विचार रखने का मौका भी मिला। आने वाली पीढ़ी देश एवं राष्ट्र भक्ति के प्रति जागरुक हो, यही इस कार्यक्रम का उद्देश्य है।

कारगिल विजय दिवस

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा 18 राज्यों में चल रहे आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत कारगिल विजय दिवस कार्यक्रम मनाया गया। कारगिल विजय दिवस संस्कार केन्द्र, सूर्या यूथ क्लब केन्द्रों पर मनाया गया। कई स्थानों पर अतिथि के रूप में भूतपूर्व सैनिक बंधु को बुलाकर उनका सम्मान किया गया, उनके द्वारा उद्‌बोधन भी सुनने को मिला। इस कार्यक्रम को 226 गाँव में मनाया गया जिसमें कुल 4075 लोगों ने भाग लिया। शहीदों की याद में संस्कार केन्द्र के बच्चों द्वारा घरों में दीपक जलाये गए। यह कार्यक्रम सफल रहा, इस प्रकार के कार्यक्रमों से बच्चों एवं युवाओं के अंदर देशभक्ति का भाव आता है एवं उनके अंदर साहस पैदा होता है। हमारी सेना के वीर नौजवानों का उत्साह भी बढ़ता है और उन्हें प्रसन्नता मिलती है।

करगिल के शहीदों को किया नमन

- पौधरोपण करके शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

नेहरू युवा केंद्र एवं युवा कार्यक्रम तथा खेल मंत्रालय के तत्वावधान में युवा स्पोर्ट्स क्लब खासा महाजन की ओर से रविवार को करगिल विजय दिवस के अवसर पर पौधारोपण कर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। पंच बलवान कुलड़िया ने कहा कि 21 साल पहले 1999 में 26 जुलाई को पाकिस्तानी सेना को खदेड़कर भारतीय सैनिकों ने कारगिल पर विजय प्राप्त की। इस जंग में 527 जवान शहीद हुए। जिनमें अकेले हरियाणा के 74 वीरों ने शहादत दी। कारगिल युद्ध 60 दिनों तक चला। उन्होंने कहा कि हमें भी शहीदों के दिखाए रास्ते पर चलते हुए देश तथा समाजसेवा में योगदान देना चाहिए। पौधारोपण जैसे कार्यों से ही हम ऐसे शूरवीरों को याद रख सकते हैं। इस अवसर पर उपप्रधान मेनपाल राजपूत, मास्टर सचिन, अक्षय कुमार, अमरदीप फगोड़िया, सचिव, सोनू यादव, नरेंद्र, कुलदीप, महेंद्र कुलड़िया उपस्थित रहे।

हिसार। पौधरोपण करते नेहरु युवा केंद्र के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

सूर्या संस्कार केन्द्र एवं सूर्या यूथ क्लब केन्द्रों पर मनाये गये कार्यक्रम

गोस्वामी तुलसीदास जयंती एवं अब्दुल कलाम स्मृति दिवस

सूर्या फाउण्डेशन - आदर्श गाँव योजना द्वारा गोस्वामी तुलसी दास जयंती एवं पूर्व राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जी का स्मृति दिवस मनाया गया। यह कार्यक्रम सूर्या सिलाई केन्द्र की बहनें, संस्कार केन्द्र के भैया-बहन और यूथ क्लब के युवाओं द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ चित्रों के सामने दीप जलाकर किया गया। सभी लोगों ने चित्रों के सामने फूल चढ़ाये। यह कार्यक्रम 18 राज्यों के 222 गाँव में किया गया, जिसमें कुल 3637 ग्रामीणों ने भाग लिया। उपस्थित बच्चों को मुख्य अतिथि द्वारा गोस्वामी तुलसीदास और ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जी के संघर्षशील जीवन चरित्र के बारे में बताया गया।

ग्राम विकास के प्रमुख पाँच आयाम

शिक्षा :- सूर्या संस्कार केन्द्र, सूर्या यूथ क्लब, प्रशिक्षण, प्रौढ़ शिक्षा आदि गतिविधियाँ चलाई जा रही हैं।

स्वास्थ्य :- स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, पशु टीकाकरण, विश्व योग दिवस, रक्तदान शिविर, नेत्र जाँच शिविर आदि कार्यक्रम होते है।

संस्कार :- बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा व संस्कार देने का काम किया जाता है। देशभक्ति गीत, महापुरूषों की जीवनी, राष्ट्रगान, मातृ-पितृ भक्ति आदि सिखाया जाता है।

समरसता :- सामाजिक समरसता के लिए गाँवों में ग्राम गौरव मेला, एकता दौड़, सामूहिक श्रमदान, भजन-कीर्तन ऐसे अनेक कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

स्वावलंबन :- गाँव से युवाओं का पलायन रोकने के लिए लघु उद्योग के माध्यम से युवाओं को रोजगार से जोड़ना। गाँव के लोग आत्मनिर्भर बनें, इसके लिये सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाने का कार्य भी हो रहा है इसके साथ-साथ स्वयं सहायता समूह, सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र व हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण, जैविक खेती, गौपालन आदि प्रकल्प चलाये जा रहे हैं।

वर्तमान जीवन में
डिजिटल तकनीक का महत्त्व

मदन कुमार
IT Incharge

आज का युग डिजिटल तकनीकि का युग है, इसके बिना जीवन अधूरा लगता है। कम्प्यूटर और इंटरनेट की सुविधा से पूरी दुनिया में कहीं पर भी लोगों से तुरंत सम्पर्क कर सकते हैं। अपनी बात, विचारों को पहुँचा सकते हैं। इसलिए डिजिटल तौर पर सशक्त होना बहुत जरूरी है। भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने डिजिटल इंडिया की परिकल्पना की है और इसकी शुरूआत 1 जुलाई 2015 को हुई थी।

समाज के प्रत्येक क्षेत्र में डिजिटल तकनीक का लाभ लोगों को मिल रहा है। उदाहरण के लिए–पहले रेल में रिजर्वेशन कराने के लिए रेलवे स्टेशन जाना पड़ता था। लाइन में लगना पड़ता था। अब घर बैठे ही ऑनलाइन टिकट बुकिंग हो जाता है।

सूर्या फाउण्डेशन ने भी बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए **E-PDC** का आयोजन करके एक अनोखा उदाहरण पेश किया है।

यहाँ तक कि ग्रामीण स्तर पर कम पढ़े-लिखे किसान भी डिजिटलीकरण के माध्यम से सरकारी योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं।

कैश निकालने के लिए बैंक जाना या ATM की लाइन में खड़े रहना या किसी प्रकार का बिल भुगतान करना हो तो इन कामों में बहुत समय लगता है। डिजिटल लेन-देन से समय की बचत होती है।

आज पूरी दुनिया वैश्विक महामारी से जूझ रही है। लगभग सभी संस्थाएँ आजकल सेमिनार की जगह वेबिनार (वेब+सेमिनार) कर रहे हैं। इसके माध्यम से इंटरनेट पर ही अपने मोबाइल या कम्प्यूटर से जरूरी मीटिंग भी कर लेते हैं। इससे संस्थाओं का खर्च भी कम हुआ है।

UPI

- भीम ऐप का उपयोग आप भुगतान भेजने/ प्राप्त करने के लिए करते हैं।
- भुगतान करते समय उपयोगकर्ता अपने नाम या मोबाइल नंबर का उपयोग कर सकते हैं।
- इसका उपयोग 365 दिन, किसी भी समय पैसे ट्रांसफर करने के लिये कर सकते हैं।
- इस सुविधा का उपयोग बिना इंटरनेट के भी किया जा सकता है। मोबाइल फोन से *99# डायल करें और आपको सारी आवश्यक जानकारी प्राप्त हो जायेगी।
- इस का उपयोग आप अपने फोन बिल, ईएमआई, बिजली बिल आदि भरने के लिए भी कर सकते हैं।

बोधकथा :- विचार शक्ति

महाभारत का युद्ध होने वाला था। विपक्षी सेनाएँ एक दूसरी के समक्ष खड़ी थी। पाण्डवों का सबसे बड़ा योद्धा था अर्जुन। स्वयं भगवान् कृष्ण अर्जुन का रथ चला रहे थे। अर्जुन ने कहा–'महाराज! मेरे रथ को दोनों सेनाओं के बीच में ले चलिए, जिसमें मैं दोनो ओर की शक्तियों को देख सकूँ।''

श्री कृष्ण ने ऐसा ही किया। अर्जुन ने दोनों ओर के योद्धाओं को देखा तो उसके मन में एक विचार उत्पन्न हुआ। दोनों ओर उसके भाई थे, संबंधी थे, मित्र थे। तुरन्त विचार आया कि इनको मारकर राज्य मिल गया तो क्या करुँगा?

उसी वक्त कवच आदि उतार दिए, तीर और तलवार फेंक दी। रथ से उतरकर दूर जाकर खड़ा हो गया। भगवान ने पीछे देखा तो अर्जुन नहीं। आश्चर्य से इधर–उधर देखा तो अर्जुन रथ से दूर खड़ा था। भगवान कृष्ण ने उसके पास जाकर कहा–'अर्जुन, तुझे क्या हुआ?'

अर्जुन ने अपने हृदय का भाव बताया तो श्री कृष्ण ने कहा–'अरे कायर! क्षत्रिय होकर यह कायरों जैसा विचार तुम्हारे हृदय में कैसे आया?'

परन्तु अर्जुन माना नहीं बोला–'मित्र मैंने सोच लिया है, मैं लड़ूँगा नहीं। जिस राज्य के लिए अपने भाईयों और संबंधियों की हत्या करनी पड़े, वह मुझे नहीं चाहिए।'

तब भगवान श्री कृष्ण ने क्या किया? क्या पिस्तौल लेकर अर्जुन की छाती पर चढ़ बैठे? नहीं! शान्ति से, गम्भीरता से उन्होंने बताया कि तू क्या है? यह संसार क्या है? तेरे आस–पास खड़े लोग क्या हैं? बताया कि मोह ने तुझे कर्म से दूर कर दिया है। वे लाखों बार पैदा हुए हैं और लाखों बार पैदा होंगे, बहुत महान, बहुत सुन्दर ज्ञान है, जिसे भगवद्गीता कहते हैं। अर्जुन ने फिर से गाण्डीव उठाया और तीर चढ़ा दिया उसके उपर। जोश में बोला– 'मैं लड़ूँगा केशव!'

यह है विचार–शक्ति, एक विचार ने उस रथ से नीचे उतार दिया तो दूसरे विचार ने उसे फिर से रथ पर चढ़ा दिया।

एक गाँव, एक समय, एक पौधा – 'बरगद' 100 वर्षों से अधिक का सफर

सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के अन्तर्गत चलाये जा रहे वृक्षारोपण महाअभियान के तहत इस वर्ष 18 राज्यों के 600 गावों में 600 वृक्ष मित्रों द्वारा अपने–अपने गाँवों में रक्षाबंधन के दिन कम से कम एक–एक बरगद का पेड़ लगाया जायेगा।

- रक्षाबंधन (3 अगस्त 2020) तक बरगद की टहनी से पौधा लगाने के लिये तैयार करना।
- गाँव वालों के साथ चर्चा करके पौधा लगाने का उचित स्थान तय करना।
- समिति से चर्चा करके वरिष्ठ/सम्मानित व्यक्ति को संरक्षक बनाना।
- पौधा लगाने के बाद रक्षा सूत्र बांधकर सभी से सुरक्षा करने का संकल्प दिलाना।
- जागरुकता के लिए रैली निकालना। तख्ती, कोटेशन, स्लोगन तैयार करके रखना।
- पूजा में उपयोग होने वाली सामग्री की व्यवस्था पहले से करना।

समाचार पत्रों में सूर्या फाउण्डेशन के कार्यों की झलकियाँ

सूर्या फाउंडेशन भारत के 18 राज्यों में 8 लाख के करीब फलदार व औषधीय तथा छायादार पेड़ लगाएगा

खरखौदा (सोमपाल सैनी)

सूर्या फाउंडेशन अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम के पश्चात अब देश के 18 राज्यों के 600 वृक्ष मित्रों के माध्यम से 60 हजार परिवारों में 3 लाख फलदार व औषधीय तथा 5 लाख छायादार पेड़ लगाएगा ।

कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए हरियाणा प्रदेश प्रभारी भंवरसिंह ने बताया कि यह कार्यक्रम 26 जून से शुरू होकर 25 सितंबर तक चलेगा। हरियाणा में 8 जिलो में 60 वृक्षमित्रो के माध्यम से 6 हजार परिवारों को इस अभियान से जोड़कर 30 हजार

फलदार व 50 हजार छायादार पेड़ लगाये जायेंगे।

इस अभियान के प्रमुख सत्रुहन लाल ने कार्यक्रम की सफलता के लिये सभी वृक्षमित्रो से इस अभियान को पुर्ण सफल बनाने का आह्वान किया । उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण के माध्यम से पर्यावरण संतुलित होता है। वृक्षारोपण कार्यक्रम प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत की ओर बढ़ता एक कदम होगा । ऑनलाइन बैठक में बोलते हुए भंवरसिंह मधुर ने कहा कि कोरोना जैसी माहमारी से बचने के लिए औषधीय पौधे लगाना बहुत आवश्यक है। उन्होंने घर मे गिलोय, एलोवेरा, तुलसी, हरसिंगार, नींबू आदि पेड़ लगाने का आह्वान किया ।

बात अगर खरखौदा ब्लॉक कि की जाये तो

खरखोदा क्षेत्र के 20 गांवों में 20 वृक्षमित्रो के माध्यम से 10 हजार फलदार व 15 हजार छायादार पेड़ लगाए जायेंगे ।

आत्मनिर्भर भारत के लिए पौधरोपण जरूरी

राजनांदगांव। सूर्या फाउंडेशन समाजसेवी संस्था सूर्या फाउंडेशन द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पूरे देश वृक्षारोपण महा अभियान चलाया जाएगा इसके लिए सूर्या फाउंडेशन के कार्यकर्ता पूरे देश के 18 राज्यों में तैयारी में जुटे हुए हैं। सूर्या फाउंडेशन प्रतिवर्ष जून माह से अगस्त माह तक पूरे देश के अलग-अलग राज्यों में अपने कार्यकर्ताओं के माध्यम से गांवों शहरों में पहुंचकर लोगों को वृक्षारोपण के प्रति जागरूक करती है। इस बार संस्था ने वृक्षारोपण महा अभियान को आत्मनिर्भर भारत से जुड़ा है जिसके अंतर्गत संस्था के कार्यकर्ताओं द्वारा गांवों में किसानों और मजदूरों को उनकी खाली जगह पर 5-5 फलदार पौधे लगाने का अनुरोध करेगी साथ ही उनको सरदार पौधे उपलब्ध कराए जाएंगे जिससे आगामी समय में उन लोगों को स्वरोजगार भी मिल सकेगा। 21 वी सदी के सदी के इस युग में जिस प्रकार वायुमंडल के लिए वृक्षारोपण जरूरी है उसी प्रकार लोगों के लिए स्वरोजगार भी जरूरी है। प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के सपने को पूरा करने में फलदार वृक्षारोपण भी अहम भूमिका निभाएगा।

जल है तो कल है गोस्वामी

हमारा समाचार

निमेड़ा। सूर्या फाउंडेशन द्वारा इस वर्ष जल संरक्षण के लिए महा अभियान चलाया जाएगा भीखपुरी गोस्वामी ने इस अवसर पर कहा कि जल संरक्षण आज की प्रमुख आवश्यकता है भारत के प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र भाई मोदी जी ने भी जल के महत्व को समझते हुए अलग से जल शक्ति मंत्रालय का गठन किया इसके साथ साथ हर घर में नल पहुंचाने की तैयारी भी भारत सरकार एवं राज्य सरकार की मिलकर कर रहे हैं। सूर्या फाउंडेशन भी अपने सामाजिक दायित्व को निभाने के लिए जल संरक्षण महा अभियान चलाया जाएगा इस अभियान में जन जागरण के अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे इन कार्यक्रमों में संस्कार केंद्र के बालकों के साथ रैली निकालना युवकों के साथ बैठक करके उनको प्रेरित करना वरिष्ठ जनो के साथ बैठकर संगोष्ठी करवाना इस क्षेत्र में काम करने वाले अनुभवी लोगों की मीटिंग करवाना ग्राम स्तर पर काम करने वाले बंधुओं को सम्मानित करना बच्चों में अनेक प्रकार की प्रतियोगिताएं रखना इसके साथ साथ घरेलू पानी की किस प्रकार बचत हो सकती है इसके लिए भी इसके लिए भी लोगों को प्रेरित किया जाएगा स्नान के पानी से लेकर के अन्य पानी का उपयोग बार बार किस प्रकार हो सकता है आदि की जानकारी दी जाएगी। गांव के साथ वरिष्ठ लोगों के साथ बैठकर जल संरक्षण के सामाजिक स्तर पर किस प्रकार कार्य हो सकते हैं इसकी उनके साथ चर्चा की जाएगी ग्राम स्तर पर ही आपसी सहयोग के द्वारा जलाशयों की मरम्मत सामूहिक श्रमदान के द्वारा चौका सिस्टम से गड्ढों का निर्माण तालाबों में श्रमदान भामाशाह के सहयोग से खुदाई का कार्य एवं जन सहयोग के द्वारा अधिक अधिक वृक्षारोपण कर इसको बढ़ावा दिया जाएगा इस बैठक में लाला राम प्रजापत ने भी बारे में विचार रखें वर्षा का जल को सुरक्षित करना चाहिए घर में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बना कर या फिर पश्चिमी राजस्थान में जो टांके बनते हैं इस प्रकार के टूकों का निर्माण कर उसका पानी घर के उपयोग में ले सकते हैं रीसाइक्लिंग का प्रयोग करके भी स्नान का पानी वृक्षारोपण बागवानी में उपयोग कर सकते है यह सभी कार्य जन सहभागिता के द्वारा ही संभव है इस कार्यक्रम में धन्नाराम वर्मा शैलेश टेलर ,सूरज सेन ,सुजीत प्रजापत सहित अनेक बंधुओं की सहभागिता रही।

सूर्या फाउंडेशन ने वितरित किए सब्जी के बीज

प्रखर वाराणसी/रोहनियां। आदर्श गांव कादीपुर में आत्मनिर्भर भारत के अंतर्गत सामाजिक दूरी का पालन करते हुए सूर्या फाउंडेशन के कार्यकर्ताओ ने

पोषण वाटिका के लिए बीज वितरण किया, 10 प्रकार के उन्नत किस्मों के स्वदेशी बीज राष्ट्रीय अनुसंधान केन्द्र वाराणसी से लाए गए। और पोषण वाटिका बनाने के फायदों के बारे में सभी ग्रामीणों को बताया गया। बीज वितरण के समय विश्व हिंदू परिसद के श्री दिव्यांशु जी (विभाग संगठन मंत्री) ने कहा शहरों में लोग गमलों में सब्जियां लगाते हैं, हमारे घरों के पास बहुत जगह होती है जहां हम पोषण वाटिका बना सकते हैं। चयनित आदर्श गांव प्रमुख विकास विश्वकर्मा जी ने बताया कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में पोषण वाटिका बनाना बहुत आवश्यक है। पोषण वाटिका हमारे गावों में पहले से ही बनाया जाता था किन्तु सब्जियों के बाजारीकरण होने से घरों में बनने वाली पोषण वाटिका में कमी आई है और ग्रामीण जन बाजार से जहरीली सब्जी लेकर खाते हैं। यह जहरीली सब्जी स्वास्थ्य के लिए बहुत नुकसानदेय होती है। इसी समस्या से बचने के लिए सूर्या फाउंडेशन ने घर घर पोषण वाटिका अभियान शुरू किया है। पोषण वाटिका घर पर ही खाली स्थान पर बनाने की योजना बनाई गई है जिससे सिंचाई करने के लिए उन्हें अन्य साधनों की व्यवस्था न करनी पड़े घर से निकलने वाला खराब पानी ही पोषण वाटिका में उपयोग होगा। परिवार में ही जैविक सब्जी प्राप्त हो जाए और बाजार में होने वाले खर्च से बचा जा सके। यह प्रयोग 'जल संरक्षण' के लिए भी सहायक सिद्ध होगा। बीज वितरण के समय गांव के सूर्या यूथ क्लब के युवाओं ने पूरा सहयोग किया। गांव के प्रबुद्ध जनों के साथ श्री कुलदीप जी (सूर्या क्षेत्र प्रमुख) श्री विक्रम जी (मंडल अध्यक्ष) आदर्श गांव प्रमुख दीपचंद भैया, संस्कार केन्द्र के शिक्षक रामबिलास भैया उपस्थित रहे।